

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय



Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-11-नवंबर-2020

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है. इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

संलग्नक: उपरोक्त

(-/sd)

सहायक निदेशक

उप निदेशक(-/sd)

निदेशक (-/sd)

सेवा में

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

जानकारी हेतु: सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट <http://cwc.gov.in/news-clipping> परदेखें



The Tribune 11-November-2020

Met: Rain, snow in HP on Nov 15, 16 to end dry spell

SHIMLA, NOVEMBER 10

Farmers and power producers heaved a sigh of relief today as the local MeT office forecast rain and snowfall in the state on November 15 and 16 after a prolonged dry spell of about two months.

"A fresh Western Disturbance is likely to affect the western Himalayan region from November 13 onwards. Rain and snow are likely in Himachal Pradesh on November 15 and 16," it said.

Lower and mid hills have received no rainfall since mid-September and post-monsoon. The rain deficit between October 1 and



RAINFALL DEFICIT

- 79% rainfall deficit was recorded between October 1 and November 10
- 26% was the rainfall deficit during the monsoon

November 10 was 79 per cent, while 26 per cent rain deficit was recorded during the monsoon. The region received 7 mm of rainfall against the normal of 32.8 mm. — TNS

Assam Tribune 11-November-2020

IIT-G, Australian university launch water centre

STAFF REPORTER

GUWAHATI, Nov 10: The Indian Institute of Technology Guwahati (IIT-G) along with the University of Western Sydney, recently launched the Australia-India Water Centre (AIWC), stated a delayed press release.

The AIWC will be led by the University of Western Sydney from Australia and by IIT-G from India along with 21 other partners from both the countries.

The AIWC was inaugurated virtually through a webinar on November 6 in view of the pandemic situation.

Australian Minister for Education Dan Tehan, Union Minister for Jal Shakti Gajendra Singh Shekhawat, Indian High Commissioner to Australia Anumula Gitesh Sarma, Australian High Commissioner to India Barry O'Farrell AO, IIT-G Director Prof TG Sitharam, and directors, vice chancellors and deans of all the partner institutions, among others, were virtually present on the occasion.

The memorandum of understanding (MoU) signed during the occasion attempts to establish an understanding of cooperation for the AIWC between the parties.

The AIWC will enable Australian and Indian partners to explore opportunities and

create synergy for a longer-term collaboration in research and education between the two countries.

"In particular, the parties anticipate that this will include collaboration in water research, a joint Master's level programme in water futures, student and staff exchanges, workshops and conferences and provide short-term training in the water sector to government agencies and other participants. The proposed activities within the MoU, signed for a duration of five years, are to develop longer-term collaboration in water research, capacity building and knowledge and technology transfer, particularly focusing on water and food security, safe drinking water supplies, river health, water-energy-food nexus, water for livable cities and other related aspects of mutual benefits to Australia and India...", the statement said.

Speaking at the webinar organised on this occasion, Shekhawat said, "I am delighted to inaugurate the AIWC to promote water-related research, teaching and training between the two countries in the presence of officials and experts from the water sector of India and Australia."

The Pioneer 11-November-2020

हिंडनपार के लोगों को मिलेगा भरपूर पानी

निगम बना रहा 3 ओवर हैड टैंक व 3 रैनी वैल, अमृत योजना के तहत खर्च होंगे सौ करोड़

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

देश की राजधानी दिल्ली से सटे हिंडन पार क्षेत्र का मोहन नगर जोन पिछले काफी समय से पेयजल संकट से जूझ रहा था। इस इलाके में गर्मियों के मौसम में स्थिति और भी बदतर हो जाती थी। मोहन नगर जोन में दस लाख से भी अधिक लोग निवास करते हैं जिनके लिए एक अच्छी खबर है। वर्ष 2021 तक पिछले लंबे समय से चली आ रही भीषण पेयजल संकट की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा और यहां के लोगों को भरपूर पानी मिलेगा।

निगम ने इसके लिए एक ठोस कार्य योजना बनाई है जिसमें तीन नए रैनीवैल व तीन ओवर हैड टैंक बनाए जा रहे हैं। इनके चालू होने के बाद मोहननगर की करीब एक दर्जन



कॉलोनीयों में 24 एमएलडी पानी की अतिरिक्त आपूर्ति हो सकेगी। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि मोहननगर जोन में पेयजल आपूर्ति की बड़ी समस्या है। इसको ध्यान में रखते हुए अटल मिशन आफ रेजुवैशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत योजना) के तहत कार्य योजना बनाई गई है।

उन्होंने बताया कि हिंडन नदी पर जहां प्रथम चरण में रैनी वैल चालू हो गया है जबकि द्वितीय चरण में तीन नए रैनीवैल हिंडन नदी पर बनाया जा रहा है। साथ ही पाइप मार्केट में दो व एक खजूर कॉलोनी के पास ओवर हैड टैंक निर्माणाधीन है।

उन्होंने बताया कि इन दोनों

योजनाओं में 100 करोड़ रुपये के आसपास राशि खर्च होगी। इतना ही नहीं तीसरे चरण में तीन और रैनी वैल बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया इस प्रोजेक्ट को उग्र जल निगम द्वारा निर्माण किया जा रहा है।

तंवर ने बताया कि यह प्रोजेक्ट 2021 तक पूरे हो जाएंगे और मोहन नगर जोन की शहीदनगर, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद स्टेशन के पास, राजेंद्र नगर व मोहन नगर समेत कई अन्य कॉलोनीयों में पेयजल संकट समाप्त हो जाएगा और लोगों को भरपूर पेयजल प्राप्त होगा।

आपको बता दें कि इस इलाके का जल स्तर भी काफी नीचे जा चुका है और इलाके का भूजल में खरापन है। इसलिए यहां की जनता पूर्णरूप से सरकार द्वारा आपूर्ति किये जाने वाले पेयजल पर आश्रित है।

Hindustan 11-November-2020

17 नवंबर से गंगाजल की सप्लाई फिर शुरू

नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

राहत

करीब 25 दिन से गंगाजल बंद होने के कारण पानी की किल्लत का सामना कर रहे लोगों को अगले सप्ताह से राहत मिलने वाली है। त्योहार के बाद 17 नवंबर से गंगाजल की सप्लाई शुरू होगी।

हरिद्वार में गंगनहर की सफाई के कारण अक्टूबर में दूसरे सप्ताह से गंगाजल की सप्लाई बंद कर दी गई थी। शहर में 100 क्यूसेक गंगाजल की पानी की सप्लाई होती है। गंगाजल बंद होते ही शहर में पानी का संकट शुरू हो गया था। सामान्य पानी की आपूर्ति के साधन रैनीवेल और ट्यूबवेल 70 प्रतिशत से अधिक खराब पड़े हैं। नवरात्र और फिर दशहरा में भी लोगों को पानी संकट

- शहर में 100 क्यूसेक गंगाजल की सप्लाई होती है
- गंगाजल की आपूर्ति शुरू होने से लोगों को राहत मिलेगी

का सामना करना पड़ा। अब धनतेरस, दिवाली और भैयादूज पर भी लोगों को बिना गंगाजल के रहना पड़ेगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अभी तक की योजना के तहत 14-15 नवंबर की रात को हरिद्वार से गंगाजल छोड़ा जाएगा। नोएडा तक पहुंचने में दो-तीन दिन लगेंगे। ऐसे में उम्मीद है कि शहर में 17 नवंबर से गंगाजल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

Dainik Bhaskar 11-November-2020

**आज उपराष्ट्रपति देंगे
दूसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार**
नई दिल्ली | केंद्रीय जल शक्ति
मंत्रालय बुधवार को जल
संसाधन संरक्षण और प्रबंधन
के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान
देने के लिए राष्ट्रीय जल पुरस्कार
प्रदान करेगा। मंत्रालय के अनुसार
उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू
दूसरे जल पुरस्कार समारोह का
शुभारंभ करेंगे। इस मौके पर जल
शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
भी उपस्थित रहेंगे।